जोधपुर में करोना का विस्फोट, 1212 संक्रमित मिले, दो जनों की मौत

जिले में एक्टिव केस भी बढ़कर 5284 पर जा पहुंचे है

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में बुधवार को हुए कोरोना के विस्फोट ने शहर और गांवों के लोगों को दहला कर रख दिया। कोरोना संक्रमण के आंकड़े बारह शतक को पार कर गए। यहां पर कोरोना तेजी से पैर पसारने लगा है। बुधवार को 4515 जनों की जांच की गई, उसमें से 1212 संक्रमित पाए गए। डराने वाली बात यह है कि आज भी दो जनों की मौत हो गई। कल भी दो संक्रमितों ने दम तोड़ा था। एक्टिव केस भी बढ़ कर 5284 पर जा पहुंचे है। वहीं स्वस्थ हो चुके 777 जनो को डिस्चार्ज भी किया गया।

इस सब के बावजूद लोग पूरी तरह लापरवाही बरत रहे हैं। हर रोज होने वाली जांच में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ती जा रही थी। सरकार ने हांलांकि कुछ पाबंदियां भी लगाई, मगर लोग बेपरवाह बने फिर रहे हैं। मास्क लगाना तो कईयों ने शान के खिलाफ समझ रखा है। कुछ लोग वाहन लेकर घर से निकलते तो मास्क कोट की जेब में डाल देते हैं। गलियों में बिना मास्क राजा भोज की तरह शान से निकलते हैं ।मगर मुख्य सड़क पर पुलिस नजर आती है तो तुरंत गंगू तेली भी बन जाते हैं। वाहन एक तरफ रोक कर मास्क पहनते हैं, ताकि दण्ड से बचे रहें।

यही हाल बाजार में साफ़ नज़र आता है। भीड़भाड़ में लोग एक दूसरे से धकियाते चलते हैं। दूसरी तरफ सरकार और जिला प्रशासन लोगों की बेहतरी को लेकर चिंतित है। चिकित्सा संबंधी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के प्रयास निरंतर किए जा रहे हैं। सोशल डिस्टेडिंग रखने और मास्क पहनने की अपील की जा रही है। भीड़ में ना जाने और भीड़ ना जुटाने की सलाह दी जा रही है। मगर कुछ लोगों ने तो जैसे हम नही सुधरेंगे का संकल्प लें रखा है। अगर लोगों का यही बर्ताव रहा तो फुल लोकडाऊन लगाने के अतिरिक्त सरकार के पास कोई विकल्प नहीं रह जाएगा।

भीलवाड़ा जिले में बुधवार को 277 कोरोना पॉजिटिव सामने आये

भीलवाडा, (निसं)। जिले में कोरोना संक्रमण से मंगलवार को मिली थोड़ी राहत के बाद फिर से बुधवार को विस्फोट हुआ है। मंगलवार को जिले में सात दिन बाद 100 से कम मरीज सामने आए थे। वहीं बुधवार को एक बार फिर से जिले में यह संख्या 200 के पार पहुंच चुकी है। जिले में जिस गति से यह संक्रमण फैल रहा है। वह प्रशासन के सामने एक चिंता का विषय भी बना हुआ है।

डिप्टी सीएमएचओ डॉ. घनश्याम चावला ने बताया कि जिले में बुधवार को 277 संक्रमित मरीज सामने आए हैं। इस बार शहर में सुभाष नगर के बाद जहाजपुर व शाहपुरा में सबसे ज्यादा संक्रमित मरीज सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि मरीजों की संख्या में प्रतिदिन बढोतरी हो रही है। जो आंकड़ों में साफ नजर आ रहा है। लोगों को इस संक्रमण को रोकने के लिए कोरोना गाइड लाइन की पालना करनी चाहिए। साथ ही वैक्सीन के जोड लगवाने में कोई कोताही नहीं करनी चाहिए। उन्होंने बताया की बुधवार को 1605 लोगों की जांच में 277 पॉजीटिव सामने आए है।

उदयपुर में 876 पॉजीटिव मिले, 423 रिकवर हुए, 74 भर्ती

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले में बुधवार को 876 पॉजीटिव मिले है। एक्टिव केस 4518 में से केवल 74 अस्पताल में भर्ती है वहीं जिले में आज 423 रिकवर भी हुए है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खराड़ी ने बताया कि जिले में आज प्राप्त 3782 सैम्पल जांच रिपोर्ट में से 2906 नेगेटिव व 876 पॉजीटिव मिले

- कोरोना संक्रमितों में 117 वॉरियर्स भी शामिल है

है। शहरी क्षेत्र में मिले 664 संक्रमितों में 91 कोरोना वॉरियर्स, 414 नए संक्रमित, 155 क्लॉज कांटेक्ट व 04 माइग्रेंट है। ग्रामीण क्षेत्र में मिल 212 संक्रमितों में 26 कोरोना वॉरियर्स, 41 क्लॉज कांटेक्ट व 145 नए संक्रमित है। संक्रमितों का कुल आंकड़ा 63330 हो गया है। इनमें से 58055 रिकवर हो चुके है। जिले में आज 423 संक्रमित रिकवर हुए। एक्टिव केसेस की संख्या 4518 है इनमें से अधिकांश 4444 होम आइसोलेटेड है वहीं 74 चिकित्सालय में भर्ती है। आज मिले संक्रमितों में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में मिलाकर 117 कोरोना वॉरियर्स शामिल है।

अलवर के राज ऋषि कॉलेज में सैंकड़ों की भीड़ में करोना पॉजिटिव परीक्षा देने पहुंचा

- राज ऋषि कॉलेज प्रशासन ने 23 तक परीक्षा स्थगित की
- स्टूडेंट्स का आरोप कॉलेज प्रशासन की लापरवाही

अलवर, (निसं)। राज ऋषि कॉलेज में बुधवार को सैकड़ों की भीड़ में कोरोना पॉजिटिव भी परीक्षा देने पहुंच गया। प्रशासन की अव्यवस्था पर स्टूडेंट्स ने रोष जताया तथा प्रशासन की ओर से परीक्षा का अधूरा इंतजाम रहा। कोरोना पॉजिटिव के आने का पता लगा तो प्रशासन के होश उड़ गए। इसके बाद कॉलेज प्रशासन ने यूजी की परीक्षाएं 23 जनवरी तक स्थगित कर दी। लेकिन पीजी की परीक्षाएं यथावत जारी रखी हैं।

कॉलेज के स्टूडेंट्स ने विरोध जताया कि प्रशासन की ओर से टर्म टेस्ट का टाइम टेबल प्रॉपर जारी नहीं किया। स्टूडेंट्स को पता ही नहीं चला कि किस विषय का पेपर कितने बजे किस रूम में होगा। इस कारण सैकडों स्टूडेंट्स कॉलेज के एकत्रित हो गए। कॉलेज में परीक्षा के लिए स्टूडेंट्स को बाहर खुले में जमीन पर ही बैठा दिया। कोहरे के बीच में कडाके ठंड में पेपर लेने की तैयारी की गई लेकिन व्यवस्था अधूरी रही। इस बीच स्टूडेंट्स ने हंगामा कर दिया। परीक्षाएं बीच में ही छोड़ दी गई। इसके बाद प्राचार्य हुकम सिंह ने यूजी की परीक्षाओं को 23 तक स्थगित कर दिया। प्राचार्य ने कहा कि हमनें कोरोना गाइडलाइन को देखते हुए 50 प्रतिशत स्टूडेंट्स को ही बुलाया था। लेकिन ज्यादा आ गए। इस कारण सबकी परीक्षा लेने की तैयारी तुरंत की गई। कोरोना संक्रमित के आने की सूचना हमें नहीं थी।

यहां कई छात्रों ने कोरोना संक्रमित आए स्टूडेंट का नाम लेकर बताया कि वह परीक्षा देने आया है। जबकि कोरोना पॉजिटिव हैं यह जानने के बाद प्रशासन के होश उड गए। तुरंत परीक्षा को स्थगित किया गया। अब यूजी की परीक्षा 23 के बाद में होगी। जबकि पीजी की परीक्षाएं यथावत रहेंगी। कॉलेज प्रशासन का कहना है कि इस बार परीक्षा का पैटर्न भी बदला गया है। जिससे थोड़ा असमंजस रहा है।

अलवर जिले में 1244 रिकॉर्ड पॉजिटिव मिले

अलवर, (निसं)। बुधवार को 1244 कोरोना पॉजिटिव आए हैं जो तीसरी लहर में अब तक सबसे अधिक हैं। पहली व दूसरी लहर की तुलना में दोगुना से ज्यादा हैं। अब जिले में 6 हजार 656 कोरोना के एक्टिव केस हैं। खास बात यह है कि अलवर में अब भी नए मरीजों की तुलना में रिकवर होने वालों की संख्या कम है। बुधवार 1 हजार 244 नए पॉजिटिव आए। जबकि रिकवर केवल 750 हुए हैं। जिलेभर में पिछले 14 दिनों में 9 हजार 96 संक्रमित आ चुके हैं। हर दिन रफ्तार के पुराने रिकॉर्ड टूटते गए हैं। अलवर शहर ही नहीं गांवों में भी संक्रमण बेकाबू हो चुका है तभी तो गांवों से भी संक्रमित खूब आ रहे हैं। अकेले अलवर शहर से 9 दिन में 3 हजार 250 कोरोना संक्रमित आ चुके हैं। बुधवार को 401 कोरोना संक्रमित आए हैं। इससे पहले भी लगातार 300 से अधिक पॉजिटिव आने का क्रम जारी है। अब जिले में 6 हजार 656 कोरोना के एक्टिव केस हो चुके हैं।

चाण्डपुरा के विद्यार्थियों की शिकायत पर वार्डन ए.पी.ओ.

हॉस्टल में रसोईया नही होने से तीन माह से विद्यार्थी स्वयं खाना बनाने को मजबूर है

जालोर के पास चाण्डपुरा देवनारायण आवासीय विद्यालय के विद्यार्थी हॉस्टल वार्डन पर ज्यादती का आरोप लगाते हुए जिला कलैक्टर को ज्ञापन देने कलैक्ट्रेट पहुंचे।

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के एक मात्र देवनारायण राजकीय उच्च माध्यमिक आवासीय विद्यालय चाण्डपुरा के विद्यार्थी बुधवार को कलैक्ट्रेट पहुंचकर हॉस्टल वार्डन व प्रधानाचार्य के खिलाफ अनियमितता को लेकर शिकायत करने पर जिला कलैक्टर जालोर नम्रता वृष्णि ने तुरंत बच्चो की बात सुनते हुए वार्डन के खिलाफ कार्यवाही करते हुए बच्चों को बाल कल्याण समिति की टीम के साथ छात्रावास के लिए रवाना किया।

जालोर के देवनारायण आवासीय विद्यालय के हॉस्टल विद्यार्थियो को समय पर खाना नही देने तथा प्रधानाचार्य द्वारा बिना किसी बात को लेकर प्रताड़ित करने पर हॉस्टल से कुछ छात्र बुधवार सुबह कलैक्ट्रेट गेट के आगे आकर बैठ गये। जिला कलैक्टर के पहुंचने पर उन्होने अपनी पीड़ा बताते हुए शिकायत पत्र देते हुए बताया कि हॉस्टल में रसोईया नही होने से तीन माह से विद्यार्थी स्वयं खाना बनाने को मजबूर है।

बर्तन आदि सभी कार्य बच्चों से करवाया जाता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा प्रवेश के दौरान प्रवेश शुल्क के रूप में प्रति विद्यार्थी पांच हजार रूपये वसूल किये जाते हैं। बार बार रूपये देने का बेजा दबाव बनाया जाता है। वही घर जाने के दौरान मिलने वाले दो सौ भी नही देकर वार्डन स्वयं बिल बनाकर उठा लेता है। रात्रि के समय हॉस्टल वार्डन प्रत्येक विद्यार्थी के कमरे की जांच कर उसके बक्से में परिवारजनो द्वारा दी गई पैकेट मनी भी वार्डन लेकर चला जाता है। पैसे मांगने पर वार्डन द्वारा मारपीट की जाती है।

हॉस्टल का अधिकतर सामान भी वार्डन अपने घर लेकर जाता रहता हैं। हॉस्टल वार्डन फर्जी बिल बनाकर राजस्व हानि पहुंचा रहा है। बीमारी आदि में भी वार्डन द्वारा कोई ध्यान नही दिया जाता है। वार्डन ने राजस्व हानि पहुंचकर लाखों रूपये की सम्पति प्राप्त कर ली है। जिला कलैक्टर ने बच्चों की समस्या सुनकर तुरंत एक्शन लेते हुए वार्डन को ए.पी.ओ. कर दिया। बाल कल्याण समिति की टीम बच्चों के साथ पहुंचकर उनके सुविधाओं की जानकारी ली।

छप्पर में आग लगी

बौंली, (निसं)। क्षेत्र के मलारना डूंगर उपखंड के डूंगरी गांव में बीती रात छप्पर बाड़े में लगी आग के कारण उसमें बधीं 38 बकरियों की जलकर मौत हो गई एवं 22 बकरियां बुरी तरह झुलस गई जिनका उपचार जारी है। इस मामले को लेकर डूंगरी निवासी कन्हैया लाल बैरवा ने मलारना डूंगर थाने में रिपोर्ट पेश कर अवगत कराया है। बीती रात 60 बकरियों को पास में बने छप्पर पोस बाड़े में बांध रखा था रात्रि को अचानक अज्ञात कारण से आग लग गई एवं जब आग तेज हुई तो पास में रह रहे पीड़ित कन्हैयालाल ने शोर मचाकर ग्रामीणों को एकत्रित किया एवं आगजनी पर काबू पाने की कोशिश किया।

रिश्वत का आरोपी सीआई पुलिस के हाथ नहीं लगा

बीकानेर, (कासं)। चप्पल से नकल के मामले में अभियुक्त से ही रिश्वत मांगने के मामले में गंगाशहर थाने का तत्कालीन थानेदार राणीदान अब तक पुलिस के हाथ नहीं लगा है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की जयपुर ब्रांच ने राणीदान पर शिकंजा कसने के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। वहीं माना जा रहा है कि राणीदान अग्रिम जमानत के लिए पूरी तैयारी कर रहा है। इस पूरे मामले में आला अधिकारी मौन रखे हुए हैं।

राणीदान पर राजकार्य में बाधा डालने का एक मामला गंगाशहर थाने में ही दर्ज हुआ है जबकि एक अन्य मामला भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पास विचाराधीन है। मामला दर्ज करने के बारे में भी अधिकृत स्तर पर कुछ स्पष्ट नहीं किया गया है। एसीबी के एडीजी दिनेश एमएन स्वयं इस मामले को देख रहे हैं। अगर समय रहते राणीदान ने पुलिस के समक्ष पेशी नहीं दी तो शिकंजा कसा जा सकता है। बुधवार शाम तक पुलिस ने ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की।

हादसे में पिता-पुत्र की मौत

पाली, (नि.सं.)। पाली जिले के सबलपुरा के पास बुधवार शाम करीब चार बजे किसी वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता व पुत्र हवा में करीब 18 फीट उछलकर सिर के बल नीचे गिरे। दोनों की मौत हो गई। सूचना पर सेंदड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा मृतक पिता-पुत्र के शव हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाए। पुलिस के अनुसार पाली जिले के जेतपुरा (रायपुर) निवासी 38 वर्षीय बलदेव पुत्र देवीसिंह रावत अपने 58 वर्षीय अपने पिता देवीसिंह पुत्र सदासिंह रावत के साथ बाइक से ब्यावर से जेतपुरा की तरफ आ रहा था।

इस दौरान बुधवार शाम करीब चार बजे हाइवे पर सबलपुरा के निकट उनकी बाइक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों पिता-पुत्र हवा में करीब 18 फीट उछलकर नीचे गिरे। हादसे में पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हादसे के बाद 58 साल का देवीसिंह करीब 35 मिनट तक दर्द से तड़पता रहा।

रिटायर्ड आईआरएस अधिकारी ने की आत्महत्या

- सुसाइड नोट में लिखा : बच्चों की परवरिश सही नहीं कर पाया, पत्नी ने रखा ध्यान, मैनेजर वफादार

जयपुर/बस्सी। जिंदगी में बच्चों की परवरिश सही नहीं कर पाया, मेरी पत्नी ने ही उनका ध्यान रखा। इस तरह का सुसाइड नोट लिखकर रिटायर्ड आईआरएस अधिकारी ने बस्सी इलाके स्थित उसकी नमकीन फैक्ट्री में सेल्फॉस की गोलियां खाकर सुसाइड कर लिया। बुधवार सुबह घटना का पता चलने पर फैक्ट्री के मैनेजर ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं मर्ग दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

थानाधिकारी भूपेंद्र सिंह ने बताया मृतक शंकर लाल चंदेल (65) बी-507, महेश नगर का रहने वाला था। वह भारतीय राजस्व सेवा से सेवानिवृत अधिकारी था। बस्सी में रीको एरिया में उसकी श्री श्याम ट्रेडर्स के नाम से नमकीन की फैक्ट्री है। पहले इस फैक्ट्री में गुटखे का उत्पादन किया जाता था। मंगलवार रात को शंकर लाल खाना खाकर फैक्ट्री में ऊपर बने कमरे में सोने चले गए थे। नीचे केबिन में मैनेजर राहुल खत्री सोया था। सुबह करीब आठ बजे तक भी शंकर लाल नीचे नहीं आए तो मैनेजर राहुल खत्री उनके कमरे पर गया, जहां कमरे का अंदर से लॉक लगा हुआ था। खिड़की में कांच से अंदर झांककर अंदर देखा तो शंकर लाल बैड पर पड़े हुए थे और मुंह से उलटी निकली हुई थी। इस पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट, सेल्फॉस की शीशी, कुछ धार्मिक किताबें बरामद हुई है।

पुलिस के अनुसार मृतक के कमरे में मिली रामायण, श्रीमद्भागवत गीता इत्यादि पुस्तकें, सुसाइड नोट इस बात की तरफ इशारा करते हैं कि मरने से पहले शंकर काफी उधेड़बुन में थे। तीन-चार भावुक सुसाइड लेटर लिखे फिर आत्महत्या की। सुसाइड नोट में लिखा कि मैं जिंदगीभर बच्चों की परवरिश सही नहीं कर पाया, मेरी पत्नी ने ही उनका ध्यान रखा। मेरा मैनेजर राहुल खत्री अच्छा और वफादार है। आत्महत्या के लिए खुद जिम्मेदार हूं। मृतक के परिवार में पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा है।

पुलिस के अनुसार शंकर लाल परिवार सहित महेश नगर में रहते है। वह दो दिन पहले ही फैक्ट्री पर आए थे और यहां ठहर गए। घटना वाली रात मैनेजर से बातचीत कर खाना खाकर अपने कमरे में सोने चले गए थे, लेकिन सुबह उनका शव बैड पर पड़ा मिला। सेल्फॉस खाकर उन्होंने आत्महत्या कर ली थी।

रिश्वतखोरों को रिमांड पर भेजा

भीलवाड़ा, (निसं)। करीब 18 लाख रुपए की राशि के साथ एसीबी की गिरफ्त में आये आरोपी तहसीलदार लालाराम यादव सहित सभी पांच आरोपितों को बुधवार को एसीबी ने एसीबी कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें 15 दिन के लिए जेसी रिमांड पर भेज दिया गया। एसीबी मुख्यालय, जयपुर के एएसपी राजेंद्र सिंह नैन ने बताया कि शिकायत के बाद निगरानी के दौरान एसीबी को पता चला कि भीलवाड़ा तहसीलदार लालाराम यादव ने अपने भाई पूरणमल यादव निवासी सेवापुरा, चाकसू के बैंक खाते में एक पक्षकार से 3 लाख रुपये खाते में डलवाये। सूचना को डवलप कर सूत्र एकत्रित किये गए। इसके बाद पीसी एक्ट के तहत एसीबी मुख्यालय ने सोमवार को मामला दर्ज किया। इस मामले में एसीबी ने तहसीलदार यादव, उसके भाई सहित पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर आज भीलवाड़ा एसीबी कोर्ट में पेश किया, जहां से इन सभी को 15 दिन जेसी रिमांड पर भेज दिया गया।

लूट का फरार चल रहा आरोपी बीकानेर से गिरफ्तार

भीलवाडा, (निसं)। जिले के जहाजपुर कस्बे में 2012 में एक सर्राफा व्यापारी पर हमला कर दो लाख रुपये की नकदी लूट के मामले में जमानत मिलने के बाद से फरार आरोपित प्रदीप उर्फ लंगडा को पुलिस ने बीकानेर से दोबारा गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। यह आरोपित नाम बदल कर नोखा में रह रहा था, जो पुलिस के आने की भनक लगने पर बीकानेर में खुली जेल में रह रहे परिचित बंदी के पास जाकर छिप गया था।

जहाजपुर पुलिस के अनुसार छीपो का मोहल्ला जहाजपुर निवासी श्यामलाल पुत्र भैंरूलाल सोनी ने 9 जनवरी 2012 को जहाजपुर सीएचसी में इलाज के दौरान जहाजपुर पुलिस को बयान दिये कि रोजना की भांति घटना के दिन भी वह रात करीब 8.30 बजे गीताजंली ज्वैलर्स शॉप को बंद कर घर रवाना हो रहा था। दुकान के जेवरात दो बैगों में भरे थे। इनमें साढे बारह सौ ग्राम सोने व 20 से 25 किलो चांदी के जेवरात और 2 लाख रुपये की नगदी थी। इस दौरान अचानक दो मोटरसाइकिल वाले रोड से गुजरे, जिन्होंने उसकी दुकान के आगे दिल्ली गेट की तरफ मोटरसाइकिल खडी कर दी और नीचे उतर कर उसके पास आये। आते ही इन लोगों ने उसके सिर में पीछे से डंडे से वार किया, जिससे वह नीचे गिर पड़ा। दोनों बदमाश परिवादी के नकदी व गहने रखे दोनों बैग लूटकर मोटरसाइकिल से भाग निकले। पडौसियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। इसे लेकर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। पुलिस ने मामले में शास्त्रीनगर गुलाबपुरा निवासी प्रदीप उर्फ लंगडा व उसके साथियों को गिरफ्तार किया। आरोपित प्रदीप उर्फ लंगड़ा को बाद में जमानत मिल गई। जमानत पर रिहा होने के बाद वह एक महिला को फरार कर भाग गया था। इसके बाद वह पेशी पर कोर्ट में उपस्थित नहीं हो रहा था। इस दौरान आरोपित के बीकानेर के नोखा में होने की भनक पुलिस को लगी।

इस पर एक टीम नोखा भेजी गई। इसकी भनक प्रदीप को लग गई। वह, नोखा से भी फरार हो गया। करीब पांच दिन के प्रयास के बाद आरोपित के बीकानेर खुली जेल में एक बंदी के पास छिपा होने का पता चला। इस पर टीम आरोपित प्रदीप को दबोच कर जहाजपुर ले आई, जहां उसे न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने बताया की प्रदीप उर्फ लंगड़ा फरारी काटने के लिए नोखा पहुंच गया। जहां उसने अपना नाम प्रदीप से बदल कर शेखर पंडित रख लिया। इतना ही नहीं, इस नाम का उसने आधार कार्ड भी बना लिया था। वह एक पाट्र्स की दुकान पर काम कर रहा था। आरोपित प्रदीप पर रायला में भी वर्ष 2015 में ट्रक लूटने का आरोप है।

माइनिंग टूल्स के गोदाम से चोरी के आरोप में एक और गिरफ्तार

मामले में पुलिस ने पूर्व दो आरोपियों को किया गया था गिरफ्तार

राजसमंद के सनवाड चौराहा स्थित गोदाम व दूकान से हुई चोरी के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

राजसमंद, (निसं)। जिले के राजनगर थाना क्षेत्र के सनवाड चौराहे पर स्थित एक माईनिंग टूल्स गोदाम व दूकान से नकदी सहित दूकाने में लगे छोटे मंदिर से चांदी की मूर्तियां, सिक्का व सामान चुराने के मामले में राजनगर थाना पुलिस ने एक ओर आरोपी को गिरफ्तार किया है। इससे पूर्व पुलिस ने मामले में दो आरोपियों पंकज उर्फ पवन पुत्र सुरेशचन्द्र गर्ग निवासी आसावरा थाना भदेसर एवं गोवर्धन पुत्र रतनलाल प्रजापत निवासी रूद थाना राशमी जिला चित्तौडगढ़ को गिरफ्तार किया जा चुका है।

थानाधिकारी डॉ. हनवंतसिंह राजपुरोहित ने बताया कि गत 6 नवम्बर को प्राथी अमित बडोला पुत्र बसंत कुमार बडोला निवासी नायकवाडी राजनगर ने थाने में गोदाम व दूकान से अज्ञात बदमाशों द्वारा चोरी रिपोर्ट दर्ज करवाई। जिसमें बताया कि सनवाड चौराहा पर स्थित माईनिंग टूल्स का गोदाम व दूकान से रात्रि को अज्ञात बदमाशा ताला तोड़कर दूकान में घुसकर टेबल की ड्रोवर में रखे करीब 1000-1500 रुपए नकद, दूकाने में लगे छोटे मंदिर में रखे चांदी के गणेशजी एवं लक्ष्मीजी की मूर्ति, चांदी का सिक्का एवं गोदाम से सामान चुरा करा कर ले गए। पुलिस ने रिपोर्ट पर चोरी का मामला दर्ज कर छानबीन प्रारंभ कर दी। आरोपियों की धरपकड के लिए एसपी सुधीर चौधरी, एएसपी शिवलाल बैरवा, डीएसपी बेनीप्रसाद मीणा के निर्देशन एवं थानाधिकारी डॉ. राजपुरोहित के नेतृत्व में टीम का गठन करते हुए सउनि सुखलाल, कोंस्टेबल सुभाष, दिनेश, राजेश को शामिल कर तलाश प्रारंभ की गई। पुलिस ने संभावित जगहों पर दबिश देते हुए मुखबीर की सूचना पर पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

इसके बाद तलाश जारी रखते हुए विनोद पुत्र भगवानलाल भाट निवासी गणेशपुरा थाना सदर जिला चित्तौडगढ को गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ किए जाने पर माईनिंग टूल्स का गोदाम व दूकान से चोरी किया जाना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का माल भी बरामद किया गया। मामले को लेकर पुलिस द्वारा अनुसंधान जारी है।

फर्जी शादी कराने वाले गिरोह की दो महिला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। सलूम्बर थाना पुलिस ने फर्जी शादी करा पीड़ित के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में गिरोह की दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 7 जनवरी 2022 को रून्देला निवासी दुर्जनसिंह ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मेरी शादी नहीं हो रही थी इसपर मेरे भाई फतहसिंह ने सनसिटी निवासी हेमराज सिंह से बात की।

15 जुलाई 2021 को हेमराज सिंह टोड़ा स्थित राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय में बातचीत करने गए। शादी तय होने पर 16 जुलाई को मैं व भाई फतहसहिं, हेमराजसिंह, देवीसिंह निवासी डाल के साथि भोपाल में वेरागढ़ गए। जहां लड़की पसंद की। 17 जुलाई को ढाई लाख रूपये देने पर आरोपी लड़की लेकर सलूम्बर आए मेरी शादी कराई जिसे जेवरात व नकदी दी दस दिन रहने के बाद काका की तबीतयत खराब होने का झांसा देकर मेरी पत्नी रेखा चली गई। इस मामले में बैरछा दातार कालीपीपली शाजापुर एमपी निवासी रजनी पत्नी गुलाबसिंह, रेखा पत्नी शिवलाल उर्फ शिब्बु निवासी रायसेन हॉल खेड़ा रोड़ आनन्द नगर पीपलानी भोपाल को प्रोडक्शन वारंट जरिये गिरफ्तार किया।

'पुलिस ने रेप को एक्सीडेंट बताने की कोशिश की तो पूरे प्रदेश में आंदोलन करेंगे'

- भाजपा विधायक ने कहा एसपी बार-बार बयान बदल रहीं हैं, पहले रेप माना, फिर मना किया, अब बोल रहीं हैं रेप से इंकार नहीं

अलवर, (निसं)। अलवर में मूकबधिर नाबालिग के साथ हुई दरिंदगी की घटना का पुलिस खुलासा नहीं कर सकी है। लेकिन प्रदेश भर में विरोध थम नहीं रहा। बुधवार को भी भाजपा ने मण्डल स्तर पर सरकार को घेरा। अलवर शहर में भी मुख्यमंत्री का पुतला जलाया। सरकार पर मामले को दबाने का आरोप लगाया।

अलवर शहर विधायक संजय शर्मा ने कहा कि अलवर एसपी तेजस्वनी गौतम ने घटना के दिन रेप होने का बयान दिया था। लेकिन बाद में मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए रेप होने से मना कर दिया। फिर समाज के लोगों का और आमजन का विरोध बढ़ा तो एसपी ने कहा कि हर एंगल से जांच कर रहे हैं। रेप की आशंका से भी मना नहीं किया। लेकिन अब पुलिस इसे एक्सीडेंट मान चुकी है। इस तरह की बातें सामने आ रही हैं। इस कारण भाजपा ने प्रदेश भर में सरकार के खिलाफ विरोध किया है। अधिकारी सरकार के दबाव में आकर मामले को दबाने में लगे हैं। लेकिन एसपी के बयान से राज्य सरकार घिरती नजर आ रही है आमजन इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

भाजपा के पदाधिकारियों ने कहा कि पुलिस ने रेप को एक्सीडेंट बताने की कोशिश की तो पूरे प्रदेश में आंदोलन करेंगे। सरकार को हर जगह घेरा जाएगा। अभी मण्डल स्तर पर विरोध हुआ है। आगे जयपुर भी जनता कूच कर आंदोलन कर सकती है।

अब लोगों का कहना है कि पुलिस के खुलासे का इंतजार है। जैसा खुलासा होगा उसके अनुसार विरोध होगा। पुलिस की जांच में सही तथ्य नहीं आने तक विरोध होगा। बेटी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के प्रतिनिधिमण्डल भी अलवर आकर अपना विरोध दर्ज करा चुके हैं।